[श्री चरण सिंह]

इसके अलावा जो लोग वायलेंस पैदा करते हैं उनको इस तरह का कोई अधिकार दूसरों को टांट करने का नहीं है। अभी 4-5 दिन पहले कांग्रेस पार्टी के तीन एम० पीज० ने हजारों आदमियों के जुलूस के साथ एक तरह से वायलेंट डिमांस्ट्रेशन लखनऊ में किया। (व्यवधान)** क्या यह वाकया है या नहीं? 23 तारीख को जुलूस निकाला गया। (व्यवधान)** तीन एम० पीज० थे जिन के नाम बता देता हूं—बहराइच के एम० पी०, अलमोड़ा के एम०पी० और... (व्यवधान)**

अध्यक्ष महोदय : मि० टाइटलर, आप आराम से बैठिये।

श्री हरिकेश बहादुर (गोरखपुर) : अध्यक्ष महोदय, उत्तर प्रदेश में कोई ला एंड आर्डर नहीं है, यह मेरे पास अखबार है। (व्यवधान)**

श्री चरण सिंह : मैं अपने दोस्तों से अर्ज करना चाहता हूं कि जब आपका मौका आये तब जरूर कहिएगा। अगर आप मुझको बोलने नहीं देंगे तो इधर की तादाद कम सही, आपको भी फिर बोलने का मौका नहीं मिलेगा। (व्यवधान)**

MR. SPEAKER: Order, order. Nothing is to be recorded without my permission. Please take your seats. Mr. Tytler, this is not the way. Please behave like hon. Members of this House.

श्री आरिफ मोहम्मद खां (कानपुर) : अध्यक्ष महोदय, मैं कोई व्यवधान नहीं डालता लेकिन एक व्यवस्था का प्रश्न उठाना चाहता हूं। (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Under what rule?

श्री आरिफ मोहम्मद खां : वह मैं बाद में बताऊंगा। (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Under what rule you want to raise a point of order? I want the rule. You are unnecessarily taking up the time of the House.

It is lunch hour.

श्री चरण सिंह : अध्यक्ष जी, मैं एक बात कहना चाहता हूं। ऐसी चीज हो सकती है कि मैं कोई बात गलत कह रहा हूं या आप उसको गलत समझ रहे हों। आप को मौका मिलेगा—बोलने का और आप उस वक्त उस का जवाब दे सकते हैं। लेकिन बीच में रोकेंगे तो यह सभा नहीं चलेगी—सीधी सी बात है।

मैं यह अर्ज कर रहा था कि यह जलूस निकला था, कांग्रेस पार्टी के लोगों ने निकाला था, तीन एम० पी० उस में शामिल थे और जो कौन्सिल हाउस में जबरदस्ती घुसना चाहते थे।

MR. SPEAKER: You may continue at 2 P.M. after lunch break.

13.02 hrs.

The Lok Sabha then adjourned for Lunch till Fourteen of the clock.

The Lok Sabha re-assembled after Lunch at three minutes past Fourteen of the Clock.

(Mr. Speaker *in the Chair*)

MEMBER SWORN

Shri Atal Bihari Vajpayee (New Delhi)

MOTION OF THANKS ON THE PRESIDENT'S ADDRESS—contd.

श्री चरण सिंह : अध्यक्ष महोदय मैं जानता हूं कि समय कम है और मुझे बहुत बातें कहनी थीं लेकिन अब मैं केवल एक दो बातें कह कर ही अपना भाषण समाप्त कर दूंगा।

प्रेसीडेंट एड्रेस में यह कहा गया है कि नियोजन के जरिए या प्लानिंग के जरिए सामाजिक और आर्थिक तब्दीलियां लाने की कोशिश की जाएगी। मैं यह अर्ज करना चाहता हूं कि अगर पुरानी नीतियों का अनुसरण किया जाएगा, तो फिर किसी प्रकार की कोई चेन्ज या तब्दीली नहीं आएगी और जो सोशल चेन्ज की बात है, सामाजिक परिवर्तन की बात है, तो उसके दो मोटे से रूप हैं। एक तो यह है कि हमारे यहां बेरोजगारी बढ़ती जा रही है और दूसरी सोशल प्राब्लम है जो हमारा सोशल सिस्टम है, वह कास्ट्स पर बेस्ड है, जन्मगत जिस का आधार है और वह हमारे यहां एक दूसरी बड़ी समस्या है।

जहां तक बेरोजगारों का सम्बन्ध है, हर प्लान में गवर्नमेंट के आंकड़ों के अनुसार या प्लानिंग कमीशन के आंकड़ों के अनुसार, बेरोजगारों की तादाद बराबर बढ़ती चली गई है। पहली प्लान के बाद प्लानिंग कमीशन का यह अन्दाजा था कि 3.3 मिलियन यानि 33 लाख बेरोजगार हैं और चौथी प्लान के बाद वे आंकड़े बढ़ कर 13.6 मिलियन हो गये।

**Not recorded.